भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
मौखिक प्रश्न सं. 179
गुरुवार, 16 मार्च, 2023/25 फाल्गुन, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

तेलंगाना में पर्यटन

179. श्री बी. पार्थसारधी रेड्डीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केन्द्र सरकार द्वारा तेलंगाना राज्य में शुरू की जा रही/की जाने वाली पर्यटन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य में पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) राज्य में पर्यटन के विकास के लिए कुल कितनी धन राशि आबंटित की गई है; और

(घ) राज्य में मौजूद यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की संख्या कितनी है और धरोहर स्थलों के रखरखाव और परिरक्षण के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

तेलंगाना में पर्यटन के संबंध में दिनांक 16.03.2023 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 179 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास हेतु 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की है ।

पर्यटन मंत्रालय ने आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए भी तेलंगाना राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान की है ।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत 268.39 करोड़ रु. की राशि से तीन परियोजनाएं, प्रशाद योजना के तहत 140.11 करोड़ रु. की राशि से तीन परियोजनाएं और पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता के तहत 65.85 करोड़ रु. की राशि से तीन परियोजनाएं स्वीकृत की हैं । उपरोक्त के अतिरिक्त तेलंगाना राज्य को मेलों और महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत 245.00 लाख रु. की राशि वित्तीय सहायता के रूप में भी दी गई है । तेलंगाना राज्य में इन परियोजनाओं का विवरण अनुबंध I पर दिया गया है ।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक तथा गंतव्य आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को परिवर्तित कर दिया है । एसडी 2.0 के अंतर्गत तेलंगाना राज्य में भोंगीर को विकास हेतु चिह्नित किया गया है ।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) द्वारा तेलंगाना राज्य में पोचमपल्ली को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में से एक के रूप में चयनित किया गया है ।

पर्यटन मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य सहित देश में ईको पर्यटन के संवर्धन के लिए अनेक कदम उठाए हैं :

(i) पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन परिपथों के विकास हेतु ईको परिपथ को विभिन्न थीमों में से एक थीम के रूप में चिह्नित किया है ।

(ii) 'महबूबनगर जिले में ईको पर्यटन परिपथ का विकास' नामक एक परियोजना को स्वदेश दर्शन योजना के तहत तेलंगाना में 91.62 करोड़ रु. की राशि से स्वीकृति दी गई थी ।

(iii) पर्यटन मंत्रालय ने ईको पर्यटन को तेलंगाना राज्य सहित देश में संवर्धन और विकास हेतु निश पर्यटन उत्पाद के रूप में चिह्नित किया है ।

(iv) भारत को ईको पर्यटन के लिए वैश्विक रूप से प्राथमिकता प्राप्त गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने ईको पर्यटन हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है । इस कार्यनीतिक दस्तावेज में ईको पर्यटन के विकास हेतु निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभ चिह्नित किए गए हैं :

क. राज्य का आकलन और रैंकिंग
ख. ईको पर्यटन हेतु राज्य कार्यनीति
ग. सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी), क्षमता निर्माण तथा प्रमाणन
घ. विपणन एवं संवर्धन
ङ. गंतव्य एवं उत्पाद विकास
च. सार्वजनिक निजी एवं सामुदायिक साझेदारियां
छ. शासन तथा संस्थागत कार्यढांचा

(v) पर्यटन मंत्रालय तेलंगाना में ईको पर्यटन स्थलों सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है । पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए ''अतुल्य भारत'' ब्रांड-लाइन के तहत महत्वपूर्ण और संभावित विदेशी बाजारों तथा देश के भीतर मीडिया अभियान जारी करता है । तेलंगाना में ईको पर्यटन स्थलों सहित गंतव्यों का सवंर्धन मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट www.incredibleindia.org साथ-साथ मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से किया जाता है ।

(घ) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुसार, वर्तमान में वर्ष 2021 की विश्व विरासत सूची में काकतीय रूद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, तेलंगाना नामक केवल एक परिसंपत्ति शामिल है । इस संपत्ति का संरक्षण और रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है और यह अच्छी तरह से परिरक्षित है ।

इसके अतिरिक्त भारत की 40 विश्व विरासत संपत्तियों की सूची अनुबंध-।। में दी गई है ।

*****

अनुबंध ।

तेलंगाना में पर्यटन के संबंध में दिनांक 16.03.2023 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 179 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रु. में)

| क्र.सं. | राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र | परिपथ / स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | तेलंगाना | ईको परिपथ 2015-16 | महबूबनगर जिले में ईको पर्यटन परिपथ का विकास | 91.62 | 87.04 |
| 2. | तेलंगाना | जनजातीय परिपथ 2016-17 | मुलुगु-लकनावरम - मेदवरम - तदवई - दमरवी - मल्लूर - बोगाथा जलप्रपात का विकास | 79.87 | 79.87 |
| 3. | तेलंगाना | विरासत परिपथ 2017-18 | कुतुबशाही हेरिटेज पार्क- पैगाह मकबरा- हयात बख्शी मस्जिद- रेमंड का मकबरा का विकास | 96.90 | 70.61 |
| | | कुल | | 268.39 | 237.52 |

प्रशाद योजना (करोड़ रुपये में)

| क्र. सं. | राज्य | परियोजना का नाम | स्वीकृति का वर्ष | स्वीकृत लागत | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | तेलंगाना | जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास | 2020-21 | 36.73 | 13.76 |
| 2. | | भद्राचलम, भद्राद्री कोठगुडेम जिले में तीर्थाटन अवसंरचना का विकास | 2022-23 | 41.38 | 22.12.22 को प्रशासनिक स्वीकृति |
| 3. | | रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, मुलुगु में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास | 2022-23 | 62.00 | 22.12.22 को प्रशासनिक स्वीकृति |
| | | कुल | | 140.11 | 13.76 |

पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

| क्र.सं. | राज्य/संघ राज्यक्षेत्र | परियोजना का नाम / स्वीकृति वर्ष | स्वीकृति वर्ष | केंद्रीय एजेंसी | स्वीकृत राशि | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | तेलंगाना | हैदराबाद रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास | 2016-17 | रेल मंत्रालय | 4.41 | 3.52 |
| 2. | तेलंगाना | हैदराबाद, तेलंगाना में मल्टीमीडिया लेजर शो | 2022-23 | ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बेसिल) | 49.65 | 4.90 |
| 3. | तेलंगाना | उस्मानिया कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद तेलंगाना में डिजिटल मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी और प्रकाश व्यवस्था के डिजाइन, आपूर्ति, संस्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग | 2022-23 | ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बेसिल) | 11.79 | 1.17 |
| | | कुल | | | 65.85 | 9.59 |

आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत मेलों/महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता

(लाख रु. में)

| राज्य का नाम | वर्ष | मेलों और महोत्सवों के नाम | स्वीकृत राशि | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|---|
| तेलंगाना | 2014-15 | वारंगल में काकतीय महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | | हैदराबाद में गोलकुंडा महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | 2017-18 | तीसरा अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव और गोलकुंडा मास्टर्स गोल्फ चैंपियनशिप | 45.00 | 45.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | 2018-19 | बथुकम्मा महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | | चौथा अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | 2019-20 | बथुकम्मा महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | | पतंग महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | 2021-22 | बथुकम्मा महोत्सव | 25.00 | 25.00 |
| | | मुनुगु में मेदराम जतारा | 25.00 | 25.00 |
| | | कुल | 245.00 | 245.00 |

*****

अनुबंध ।।

तेलंगाना में पर्यटन के संबंध में दिनांक 16.03.2023 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 179 के भाग (घ) के उत्तर में विवरण

भारत: विश्व विरासत स्थल

| क्र. सं. | स्थल | राज्य | वर्ष |
|---|---|---|---|
| 1. | आगरा का किला | उत्तर प्रदेश | 1983 |
| 2. | अजंता की गुफाएँ | महाराष्ट्र | 1983 |
| 3. | एलोरा की गुफाएँ | महाराष्ट्र | 1983 |
| 4. | ताज महल | उत्तर प्रदेश | 1983 |
| 5. | महाबलीपुरम में स्मारकों का समूह | तमिलनाडु | 1984 |
| 6. | सूर्य मंदिर, कोणार्क | ओडिशा | 1984 |
| 7. | काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान | असम | 1985 |
| 8. | केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान | राजस्थान | 1985 |
| 9. | मानस वन्यजीव अभयारण्य | असम | 1985 |
| 10. | चर्च और कॉन्वेंट | गोवा | 1986 |
| 11. | फ़तेहपुर सीकरी | उत्तर प्रदेश | 1986 |
| 12. | हम्पी में स्मारकों का समूह | कर्नाटक | 1986 |
| 13. | खजुराहो स्मारकों का समूह | मध्य प्रदेश | 1986 |
| 14. | एलिफेंटा गुफाएं | महाराष्ट्र | 1987 |
| 15. | तंजावुर, गंगईकोंडचोलपुरन और दारासुरम में ग्रेट लिविंग चोल मंदिर | तमिलनाडु | 1987 और 2004 |
| 16. | पट्टडकल में स्मारकों का समूह | कर्नाटक | 1987 |
| 17. | सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान | पश्चिम बंगाल | 1987 |
| 18. | नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान | उत्तराखंड | 1988 और 2005 |
| 19. | सांची में बौद्ध स्मारक | मध्य प्रदेश | 1989 |
| 20. | हुमायुं का मकबरा | दिल्ली | 1993 |
| 21. | कुतुबमीनार और उसके स्मारक | दिल्ली | 1993 |
| 22. | 22क माउंटेन रेलवे ऑफ इंडिया (दार्जिलिंग)<br>22ख नीलगिरी<br>22ग कालका-शिमला | पश्चिम बंगाल<br>तमिलनाडु<br>हिमाचल प्रदेश | 1999<br>2005<br>2008 |
| 23. | बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर | बिहार | 2002 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 24. | भीमबेटका के रॉक शेल्टर | मध्य प्रदेश | 2003 |
| 25. | चंपानेर - पावागढ़ पुरातत्व पार्क | गुजरात | 2004 |
| 26. | छत्रपति शिवाजी टर्मिनस<br>(पूर्ववर्ती में विक्टोरिया टर्मिनस) | महाराष्ट्र | 2004 |
| 27. | लाल किला परिसर | दिल्ली | 2007 |
| 28. | जंतर मंतर, जयपुर | राजस्थान | 2010 |
| 29. | पश्चिमी घाट | कर्नाटक, केरल,<br>महाराष्ट्र,<br>तमिलनाडु | 2012 |
| 30. | राजस्थान के पहाड़ी किले<br>30क चित्तौड़गढ़<br>30ख कुम्भलगढ़<br>30ग जैसलमेर<br>30घ रणथंभौर<br>30ङ. आमेर<br>30च गागरोन | राजस्थान | 2013 |
| 31. | पाटन में रानी-की-वाव (रानी की बावड़ी)। | गुजरात | 2014 |
| 32. | ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क कंजर्वेशन एरिया | हिमाचल प्रदेश | 2014 |
| 33. | नालंदा में नालंदा महाविहार का पुरातत्व स्थल | बिहार | 2016 |
| 34. | ले कोर्बुज़िए का वास्तुशिल्प कार्य, आधुनिक आंदोलन में एक उत्कृष्ट योगदान | चंडीगढ़ | 2016 |
| 35. | खंगचेंदज़ोंगा राष्ट्रीय उद्यान | सिक्किम | 2016 |
| 36. | अहमदाबाद का ऐतिहासिक शहर | गुजरात | 2017 |
| 37. | मुंबई के विक्टोरियन गोथिक और आर्ट डेको एन्सेम्बल | महाराष्ट्र | 2018 |
| 38. | जयपुर शहर | राजस्थान | 2019 |
| 39. | धोलावीरा : एक हड़प्पा शहर | गुजरात | 2021 |
| 40. | काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर | तेलंगाना | 2021 |

*****